दूसरे दौर में सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन

सात्विकसाईराज-चिराग जोड़ी ने स्कॉटलैंड के ग्रिमली जोड़ी को 17-21, 21-11, 21-17 से हराया

ओडेंसे 16 अक्टूबर. भारतीय शटलरों ने डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की है। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और

सात्विक-चिराग अब चीनी ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन से भिड़ेंगे

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने न्हट नगुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से मात दी

लक्ष्य सेन का अगले दौर का मुकाबला एंडर्स एंटोन्सन या एंथनी गिंटिंग से होगा

चिराग शेट्टी की जोड़ी ने स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर ग्रिमली और मैथ्यू ग्रिमली पर रोमांचक जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं, पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने भी कड़े संघर्ष के बाद जीत के साथ अभियान शुरू किया।

छठी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी, जिसने इस साल की शुरुआत में पेरिस में अपना दूसरा विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक जीता था, को स्कॉटिश जोड़ी से कड़ी टक्कर मिली। सात्विक और चिराग पहले गेम में पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए 17-21, 21-11, 21-17 से मैच अपने नाम किया। यह जोड़ी, जिसने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार फाइनल में जगह बनाई थी, अब अगले दौर में चीनी ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन का सामना करेगी।

लक्ष्य की वापसी

पुरुष एकल में, लक्ष्य सेन ने भी जीत के साथ शुरुआत की। अल्मोड़ा के इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने आयरलैंड के न्हट नगुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से हराकर एक जुझारू जीत दर्ज की। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे और हाल ही में हांगकांग सुपर 500 के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य सेन का अगले दौर में मुकाबला डेनमार्क के दूसरी वरीयता प्राप्त एंडर्स एंटोन्सन या इंडोनेशिया के एंथनी गिंटिंग में से किसी एक से होगा। हालांकि, मिश्रित युगल में भारत के लिए निराशा हाथ लगी, जहाँ मोहित जागलान और लक्षिता जागलान की जोड़ी को इंडोनेशिया के अदनान मौलाना और इंदा काह्या सारी जमील से 14-21, 11-21 से हारकर पहले ही दौर में बाहर होना पड़ा।

राहिल-ध्रुव ने शानदार शुरुआत की

डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में भारतीय जोड़ी चमकी

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर (वार्ता) राहिल गंगजी और ध्रुव श्योरण की भारतीय जोड़ी ने दिल्ली गोल्फ क्लब (डीजीसी) में खेली जा रही 40 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप 2025 के पहले दिन गुरूवार को शानदार शुरुआत की।

राहिल गंगजी ने पांच अंडर 67 का स्कोर बनाया

ध्रुव श्योरण ने एक ईगल और चार बर्डी सहित 68 राउंड खेला

भारतीय जोड़ी को संयुक्त चौथा और सातवां स्थान हासिल

आयरलैंड के पूर्व ओपन चैंपियन शेन लोरी ने आठ अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाकर पहले दौर में बढ़त हासिल की और जापान के पूर्व इंडियन ओपन विजेता कीता नाकाजिमा 65 का स्कोर बनाकर दूसरे स्थान पर रहे। राहिल गंगजी (67) और ध्रुव श्योरण (68) के प्रयासों की बदौलत भारतीय ध्वज फहराया गया, जिन्होंने पहले दौर का अंत क्रमशः संयुक्त चौथे और संयुक्त सातवें स्थान पर किया। युवराज संधू (69) संयुक्त 17वें स्थान पर दूसरे सर्वश्रेष्ठ भारतीय रहे। अनिर्बान लाहिड़ी और अभिनव लोहान 70 का स्कोर बनाकर संयुक्त 28वें स्थान पर रहे। शुभंकर शर्मा 74 के स्कोर के साथ संयुक्त 99वें स्थान पर रहे। इंग्लैंड के टॉमी फ्लीटवुड और ल्यूक डोनाल्ड सहित टूर्नामेंट के सबसे बड़े नाम, साथ ही पूर्व ओपन चैंपियन अमेरिकी ब्रायन हरमन, 68 के स्कोर के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर रहे। टूर्नामेंट से पहले के पसंदीदा, विश्व नंबर 2 और मौजूदा मास्टर्स चैंपियन उत्तरी आयरलैंड के रोरी मैक्लरॉय पहले दिन 69 के स्कोर के साथ संयुक्त 17वें स्थान पर रहे।

राहिल गंगजी ने भारतीयों की अगुवाई की

अनुभवी राहिल गंगजी ने पांच अंडर 67 के स्कोर के साथ भारतीयों की अगुवाई की, जिसमें चार बर्डी, दो बोगी और 18वें होल पर एक क्लोजिंग होल ईगल शामिल था, जहां उन्होंने ग्रीन के पिछले किनारे से 55 फुट का शॉट लगाया। जापान गोल्फ टूर और एशियन टूर के विजेता 47 वर्षीय गंगजी ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन का श्रेय अपने दृष्टिकोण में बदलाव को दिया। ध्रुव श्योरण, जिन्हें 2018 में पीजीटीआई में अपने पहले दो पेशेवर प्रदर्शनों में जीतने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है, ने 68 के अपने पहले राउंड के दौरान एक ईगल और चार बर्डी के साथ दो बोगी भी कीं। 30 वर्षीय श्योरण का पहला ईगल बंकर से एक असाधारण चिप-इन का परिणाम था। पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट के लीडर युवराज संधू, जो इस साल पीजीटीआई में चार खिताब जीतकर शानदार फॉर्म में हैं, ने गुरुवार को अपने 69 के स्कोर के दौरान पांच बर्डी और दो बोगी लगाई।

रियल कश्मीर एफसी सुपर कप से बाहर

नई दिल्ली 16 अक्टूबर. अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सुपर कप 2025-26 की शुरुआत से ठीक पहले, जम्मू-कश्मीर की फुटबॉल

विदेशी खिलाड़ियों के वीज़ा न मिलने पर नाम वापस लिया

टीम रियल कश्मीर एफसी ने एक बड़ा झटका देते हुए टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। क्लब ने यह फैसला विदेशी खिलाड़ियों के लिए वीज़ा सुरक्षित न कर पाने के कारण लिया है।

रियल कश्मीर की जगह लेगा डेम्पो एससी

एआईएफएफ ने बुधवार को इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि श्रीनगर स्थित रियल कश्मीर एफसी की जगह अब गोवा की टीम डेम्पो एससी को टूर्नामेंट में शामिल किया जाएगा। रियल कश्मीर को ग्रुप ए में शामिल किया गया था, जिसमें अब डेम्पो एससी के अलावा इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के दिग्गज क्लब चेन्नईयिन एफसी, मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी शामिल हैं। वीज़ा समस्या के कारण रियल कश्मीर ने टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ ही दिन पहले नाम वापस लिया है।

भारत में पहली बार होगा विश्व मुक्केबाजी कप

ग्रेटर नोएडा में 14-21 नवंबर तक फ़ाइनल आयोजित

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर। दुनिया के शीर्ष मुक्केबाज 14 से 21 नवंबर, 2025 तक ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाले विश्व

पुरुष और महिला दोनों वर्गों के 10 भार वर्ग में ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी

मुक्केबाजी कप फ़ाइनल 2025 में भाग लेकर प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह पहला अवसर होगा जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी कैलेंडर के सबसे प्रमुख आयोजनों में से एक माना जाता है।

कप फ़ाइनल में पुरुष और महिला दोनों वर्गों के दस भार वर्ग के एथलीट ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी में हिस्सा लेंगे। 2025 विश्व मुक्केबाजी कप के पहले चरण ब्राज़ील के फ़ोज डू इगुआकु में हुआ, जहां भारतीय पुरुष दल ने छह पदक जीते। दूसरे चरण पोलैंड में और तीसरे चरण कज़ाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित हुए, जहां महिला मुक्केबाज़ों ने स्वर्ण और रजत पदक जीतकर धमाल मचाया। साक्षी चौधरी, जैस्मीन लाम्बोरिया और नुपुर श्योरण ने स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि पूजा रानी और मीनाक्षी हुड्डा ने रजत पदक जीता।

पुरुष वर्ग में हितेश गुलिया, अभिनाश जामवाल और जुगनू अहलावत ने रजत पदक,

वहीं निखिल दुबे और नरेंद्र बेरवाल ने कांस्य पदक अपने नाम किए। इस प्रकार, भारत की मजबूत तैयारी और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन ने फ़ाइनल में देश की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

जूनियर हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया से 2-4 की हार

सुल्तान जोहोर कप 2025 में चौथे पूल मैच में भारतीय टीम पिछड़ गई

जोहोर (मलेशिया), 16 अक्टूबर (वार्ता) भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को यहां चल रहे सुल्तान जोहोर कप 2025 के अपने चौथे पूल-स्टेज मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय कप्तान रोहित (22वें मिनट) और अर्शदीप सिंह (60वें मिनट) ने ब्लू कोल्ट्स के लिए गोल किए, जबकि ऑस्कर स्प्राउल (39वें मिनट, 42वें मिनट), एंड्रयू पैट्रिक (40वें मिनट) और कप्तान डायलन डाउनी (51वें मिनट) ने बुधवार रात ऑस्ट्रेलिया के लिए गोल किए। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, हालांकि भारत ने गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखा और खेल की गति को नियंत्रित किया। शुरुआती क्षणों में, ऑस्ट्रेलिया गोल करने के करीब पहुंच गया था, लेकिन प्रिंस दीप सिंह ने शानदार बचाव किया, जिसके बाद ब्लू कोल्ट्स ने पहले हाफ में कोई कसर नहीं छोड़ी।

दूसरे क्वार्टर में भारत को 17वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन अनमोल एक्का का फ्लिक ज़्यादा शक्तिशाली था और गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया। 22वें मिनट में, भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन इस बार टीम के प्रमुख गोल स्कोरर और कप्तान रोहित (22वें मिनट) ने एक आसान, नीची स्ट्राइक से गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया। 25वें मिनट में आमिर अली बढ़त बनाने के करीब पहुंच गए, जब उन्होंने बाईं ओर से एक ज़ोरदार एकल रन बनाया और दूर से एक शॉट लिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने बचा लिया।

> तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने लगातार तीन गोल करके मैच का रुख पलट दिया और बढ़त बना ली। पहला गोल 39वें मिनट में आया जब ऑस्ट्रेलिया ने दाएं छोर से एक शानदार मूव बनाया और ऑस्कर स्प्राउल (39वें मिनट) ने दूर पोस्ट पर गेंद को गोल में डालकर बराबरी हासिल कर ली। एक मिनट बाद ही, पेनल्टी कॉर्नर पर डिफ्लेक्शन एंड्रयू पैट्रिक (40वें मिनट) के पास पहुंचा, जिन्होंने गोल करने में कोई गलती नहीं की और गोल कर दिया। कुछ ही क्षणों बाद, ऑस्कर स्प्राउल (42वें मिनट) ने शाम का अपना दूसरा गोल किया,

मन ने ब्रॉड बर्पीज मैराथन में बनाया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। भारतीय एथलीट और सामाजिक उद्देश्य से प्रेरित खिलाड़ी मन शर्मा ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने दुनिया की पहली ब्रॉड बर्पीज मैराथन पूरी करते हुए 42.195 किलोमीटर की दूरी केवल ब्रॉड बर्पीज के माध्यम से नौ दिनों में

42.195 किलोमीटर की बर्पीज चुनौती नौ दिनों में पूरी

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तय की। इस असाधारण उपलब्धि को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा नए विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता दी गई।

मन शर्मा ने इस चुनौतीपूर्ण प्रयास के दौरान हर बर्पी और हर किलोमीटर में सहनशक्ति, मनोबल और धैर्य का परिचय दिया।

> उन्होंने कहा, यह प्रयास केवल सहनशक्ति की परीक्षा नहीं था, बल्कि वंचित बच्चों को शिक्षा और सशक्तिकरण के अवसर देने वाले द वन फ्रेंड एनजीओ के लिए जागरूकता और धन जुटाने का प्रयास था। इस रिकॉर्ड में मेरी टीम, प्रायोजक और समर्थक सभी का योगदान शामिल है। समापन समारोह में भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख एल. मांडविया ने मन शर्मा को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, 卐42.195 किलोमीटर की बर्पीज मैराथन केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि मानव सहनशक्ति, अनुशासन और इच्छाशक्ति की विजय है।

एक नजर में

आर्यने टिटमस ने लिया संन्यास

मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता तैराक आर्यने टिटमस ने 25 साल की उम्र में प्रतिस्पर्धी तैराकी से संन्यास की घोषणा कर दी है। उनका करियर अमेरिकी तैराक कैटी लेडेकी के साथ खेल की सबसे ब?ी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक के लिए जाना जाता है। टिटमस ने बुधवार को अपने फैसले की पुष्टि करते हुए, आठ ओलंपिक पदक और चार विश्व खिताब के साथ ऑस्ट्रेलिया के सबसे सम्मानित एथलीटों में से एक के रूप में खेल को अलविदा कहा। टिटमस का यह फैसला उनके देश के लिए आश्चर्य की बात है, क्योंकि उन्होंने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में और अधिक गौरव हासिल करने के लिए पूल में लौटने की योजना बनाई थी।

ओसाका ने चोट के बावजूद जीत दर्ज की

ओसाका (जापान). शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की स्टार खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने बुधवार को जापान ओपन में मौजूदा चैंपियन सूज़न लैमेन्स के खिलाफ चोट से जूझते हुए तीन सेटों के कड़े मुकाबले में जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अपनी मातृभूमि में तीन साल में अपना पहला एकल टूर्नामेंट खेल रही ओसाका ने 7-6 (8/6), 3-6, 6-2 से यह मुकाबला जीता। जीत का शॉट लगाने के बाद ओसाका भावुक हो गईं और उनकी आँखों में आँसू आ गए, क्योंकि उनकी बाईं टांग में लगी चोट ने उन्हें काफी परेशान किया। पूर्व वर्ल्ड नंबर एक ओसाका निर्णायक सेट में 5-0 से आगे चल रही थीं, तभी उन्हें अपनी बाईं टांग के इलाज के लिए मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। चोट लगने के बावजूद, वह जांघ पर भारी पट्टियाँ बांधकर कोर्ट पर लौटीं और अगले दो गेम गंवाने के बाद भी 2 घंटे 20 मिनट में मैच को अपने नाम किया।

मैं यशस्वी जायसवाल को कभी नहीं हटाता : मदन लाल

नई दिल्ली 16 अक्टूबर. भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व चयनकर्ता और कोच मदन लाल ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की प्रतिभा पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा है कि अगर

पूर्व सेलेक्टर ने 'ऑल-फॉर्मेट प्लेयर' बताया

वह चयनकर्ता होते, तो इस बाएं हाथ के बल्लेबाज़ को किसी भी फॉर्मेट से बाहर नहीं करते।

मदन लाल ने क्रिकेट प्रेडिक्टा टीवी शो के साथ एक इंटरव्यू में यह बात कही। 1983 विश्व कप

विजेता टीम के सदस्य मदन लाल ने कहा, अगर मैं एक चयनकर्ता होता, तो मैं जायसवाल को कभी भी किसी भी फॉर्मेट से ड्रॉप नहीं करता। वह एक जेन्युइन मैच विनर है, जिसने ऑस्ट्रेलिया में भी खुद को साबित किया है। चाहे एशिया कप हो, वनडे हो, या टेस्ट मैच हो - उसके जैसा खिलाड़ी हमेशा प्लेइंग इलेवन में होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, जब कोई खिलाड़ी अकेले दम पर मैच जिता सकता है, तो आप हर तरह से उसका समर्थन करते हैं। जायसवाल भारतीय क्रिकेट का भविष्य है। अगर मेरे हाथ में होता, तो वह तीनों फॉर्मेट में खेलता।

कोहली और रोहित को भावुक विदाई की अपील

मदन लाल ने बीसीसीआई और भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों से रोहित शर्मा और विराट कोहली को उचित विदाई देने की भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा, रोहित और विराट में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। वे ऐसी विदाई के हकदार हैं जिसे देखकर हर आँख में आँसू आ जाएं - जैसा कि राफेल नडाल के संन्यास लेने पर दुनिया देखेगी। भारत को उन्हें उसी तरह सम्मानित करना चाहिए। उनके जैसे खिलाड़ी पीढ़ी में एक बार आते हैं।

यानिक सिन्नर की डेविस कप भागीदारी अनिश्चित

रोम 16 अक्टूबर. पुरुष टेनिस में विश्व नंबर दो इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिन्नर ने गुरुवार को कहा कि वह

बोले- फिलहाल पता नहीं

डेविस कप फाइनल्स में अपनी भागीदारी को लेकर अभी सुनिश्चित नहीं हैं।

इटली 2023 और 2024 दोनों में खिताब जीतकर अपनी सरजमीं पर लगातार तीसरी बार खिताब बचाने उतरेगा। सिन्नर ने रियाद में चल रहे %सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट के दौरान इतालवी ब्रॉडकास्टर स्काई स्पोर्ट से कहा, मैंने अभी फैसला नहीं किया है, मुझे नहीं पता।

पिछले सप्ताह शांघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में दाहिनी जांघ में ऐंठन के कारण सिन्नर को मैच से हटना पड़ा था। सिन्नर ने अपनी चोट के बारे में कहा, हम यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि मुझे ऐंठन क्यों हुई,

मांडविया बोले — राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसित किया

यह भारतीय खेलों के लिए महत्वपूर्ण क्षण : खेल मंत्री

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (वार्ता) केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 2030 शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की

अंतिम मंजूरी 26 नवंबर, 2025 को राष्ट्रमंडल खेल महासभा में दी जाएगी

मेजबानी के लिए अहमदाबाद शहर की सिफारिश किए जाने को भारतीय खेलों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया है।

राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसित किया है, जिसे अब 26 नवंबर, 2025 को होने वाली राष्ट्रमंडल खेल महासभा में अंतिम मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। केंद्रीय खेल मंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह हमारे राष्ट्र के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है और यह निर्णय वैश्विक खेलों में भारत के बढ़ते प्रभुत्व को दर्शाता है। डॉ. मांडविया ने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया, जिनकी प्रतिबद्धता ने भारत को विश्व खेल मानचित्र पर मज़बूती से स्थापित किया है। खेल मंत्री ने यह भी कहा कि यह कदम 2036 में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने की भारत की महत्वाकांक्षा को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने हाल ही में नई दिल्ली में विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप के सफल आयोजन का भी उल्लेख किया, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने प्रशंसा की थी।

बुनियादी ढांचे और भविष्य की तैयारी

डॉ. मांडविया ने ज़ोर देकर कहा कि पिछले दशक में देश ने विश्व स्तरीय खेल बुनियादी ढांचा विकसित किया है, और नीतिगत बदलावों, खेल विज्ञान और वित्तीय सहायता के माध्यम से भारत चैंपियनों के राष्ट्र में बदलने की राह पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने इस सिफारिश को वैश्विक खेल जगत में एक और बड़ी छलांग बताया। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति भारत के विश्व-स्तरीय बुनियादी ढांचे, आतिथ्य और फलते-फूलते खेल इकोसिस्टम को दर्शाती है। भारतीय कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन की अध्यक्ष पी. टी. उषा ने इस घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदाबाद में होने वाले शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स 卐भविष्य के खेल卐 होंगे, जो स्थिरता, समावेशिता और नवाचार पर आधारित होंगे। उन्होंने कहा कि 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत की वैश्विक खेल केंद्र बनने की दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को मज़बूती देंगे और शहरी नवीनीकरण, युवा भागीदारी तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए उत्प्रेरक का काम करेंगे।